कि. बा. हजारे (अण्णा)
K. B. alias Anna Hazare

राळेगण सिद्धी, तालुका पारनेर,
जिल्हा अहमदनगर (महाराष्ट्र)
पिन - ४१४३०२
☎ ०२४८८-२४०४०१/२४०२२७
www.annahazare.org

Ralegan Siddhi, Tal. Parner,
Dist. Ahmednagar (Maharashtra)
PIN - 414302
☎ 02488-240401/240227
Email: annahazareoffice@gmail.com

दि. १२ दिसंबर २०१३
भ्र.वि.ज. ४४/२०१३-१४

प्रति,
मा. श्री अरूण जेटलीजी
नेता-विपक्ष, राज्यसभा
नई दिल्ली- ११०००१

महोदय,

मुझे आपका १० दिसंबर का पत्र आज प्राप्त हुवा। आपके प्रतिसाद के लिए धन्यवाद। आपने इस पत्र से मुझे आश्वस्त किया है कि, आप स्वयं और आपकी पार्टी सक्षम लोकपाल के लिए प्रतिबद्ध है।

जैसा की आप जानते है, राज्यसभा के सिलेक्ट कमिटी को यह बील सौपा गया था और सिलेक्ट कमिटी ने २३ नवम्बर २०१२ को ही अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपी थी। देश मे ऐसे कई मुद्दे है जिसपर विपक्ष ने संसद मे और संसद के बाहर आक्रमक रवैय्या अपनाया है। छोटे-छोटे मुद्दोंपर भी विपक्ष ने रास्तोंपर आकर आंदोलन किया है। आश्चर्य इस बात का है कि, विगत एक साल मे विपक्ष ने जनलोकपाल के मुद्दोंको लेकर कोई आंदोलन किया है। जनलोकपाल के लिए विपक्ष ने न हीं संसद मे आग्रह किया। न बाहर आंदोलन किया है। एक साल से सरकार राज्यसभा मे बील नही लाती है और विपक्ष कुछ नही करते। सरकार के नियत पर तो मुझे संदेह है ही आपितु विपक्ष की नियत पर भी सवालिया निशान लग जाता है।

मै जानता हुं कि, जनतंत्र मे विपक्ष की भुमीका बहुत जिम्मेदाराना तथा लोगों के हितों की पुरी तरह रक्षा करने की होती है। अतः मै इस बात को भी दोहराता हूँ कि, अगस्त २०११ के अनशन समाप्ती के लिए संसद ने मुझे जो आश्वासन लिखीत रुप से एवं आम सहमती से दिया है।

लोकसभा विपक्ष नेता श्रीमती. सुषमा स्वराज जी ने जब जनलोकपाल लाने का देश की जनता को आश्वासन दिया था। उसे निभाने मे विपक्ष की भुमीका अहंम है और संसद की गरीमा को संभालना विपक्ष की भी जिम्मेदारी है। मै फिर एक बार दोहराता हूँ कि, बिना जनलोकपाल बील पारित हुये मै अपना अनशन खत्म नही करुंगा। देश के लिए अंतिम बलिदान के लिए मै तैयार हूँ।

भवदीय,

कि० बा० हजारे (अण्णा)

कि.बा.तथा अण्णा हजारे

प्रतिलीपी सूचनार्थ:-

सभी सदस्य, राज्यसभा